



सत्यमेव जयते

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 62]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 13, 2009/चैत्र 23, 1931

No. 62]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 13, 2009/CHAITRA 23, 1931

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुम्बई, 9 अप्रैल, 2009

सं. टीएएमपी/60/2005-पीपीटी.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा संलग्न आदेशानुसार, राजपत्र सं. 212 द्वारा दिनांक 31 अक्टूबर, 2007 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित पारादीप पत्तन न्यास के दरमान से अध्याय V—रेलवे प्रभार हटाता है।

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

मामला सं. टीएएमपी/60/2005-पीपीटी

आदेश

(मार्च, 2009 के 27वें दिन पारित)

मामला सं. टीएएमपी/60/2005-पीपीटी में आदेश दिनांक 12 अक्टूबर, 2007 द्वारा, इस प्राधिकरण ने पारादीप पत्तन न्यास (पीपीटी) के दरमान के सामान्य संशोधन के लिए पीपीटी के प्रस्ताव का निपटान किया था। इस प्राधिकरण को प्रस्तुत किए गए मसौदा दरमान में, पीपीटी ने अपने दरमान में रेलवे प्रभारों को सम्मिलित करने का प्रस्ताव किया था। पत्तन की यह पुष्टि प्राप्त करने के पश्चात् कि प्रस्तावित रेलवे प्रभार रेलवे बोर्ड द्वारा मंजूर की गई दरों के अनुसार हैं। पीपीटी के दरमान में रेलवे प्रभार (उससे संबंधित अध्याय V) राजपत्र सं. 212 द्वारा दिनांक 31 अक्टूबर, 2007 को भारत के राजपत्र में पीपीटी के सामान्य दर संशोधन पर इस प्राधिकरण के आदेश के साथ प्रकाशित किए गए थे।

2. चूंकि पत्तन रेलवे प्रभार इस प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित नहीं हैं, इसलिए यह उपयुक्त नहीं है कि ऐसी दरों को इस प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित एसओआर में शामिल किया जाए। इस मामले में पीपीटी के मत माँगे जाने पर पत्तन ने पत्र दिनांक 23 मार्च, 2009 द्वारा इस प्राधिकरण से अनुरोध किया है कि उसके दरमान से रेलवे प्रभार वाले अध्याय V को हटा दिया जाए।

3. ऊपर दिए गए कारणों से, यह प्राधिकरण पीपीटी के दरमान से अध्याय V—रेलवे प्रभार जोकि दिनांक 31 अक्टूबर, 2007 (राजपत्र सं. 212) को भारत के राजपत्र के भाग III, खंड 4 में प्रकाशित किया गया था, को एतद्वारा हटाया जाता है। यह संशोधित दरमान के प्रभावी होने की तारीख से पूर्वव्यापी प्रभाव से हटाया जाता है।

अरविन्द कुमार, सदस्य

[विज्ञापन III/4/143/08-असा.]

## TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

## NOTIFICATION

Mumbai, the 9th April, 2009

**No. TAMP/60/2005-PPT.**—In exercise of the powers conferred under Section 48 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby deletes Chapter V—Railway Charges from the Scale of Rates of Paradip Port Trust which was published in the Gazette of India dated 31st October, 2007 *vide* Gazette No. 212, as in the Order appended hereto.

Tariff Authority for Major Ports

Case No. TAMP/60/2005-PPT

## ORDER

(Passed on this 27th day of March, 2009)

By Order dated 12th October, 2007 in Case No. TAMP/60/2005-PPT, this Authority disposed of the proposal of the Paradip Port Trust (PPT) for general revision of its Scale of Rates (SOR). In the draft SOR submitted to this Authority, PPT had proposed to incorporate the Railway Charges in its Scale of Rates. After obtaining the confirmation of the Port to the effect that the Railway Charges proposed were as per the rates sanctioned by the Railway Board, the SOR of the PPT containing the Railway Charges (Chapter V thereto) was published alongwith the Order of the Authority on PPT's general rate revision in the Gazette of India dated 31st October, 2007 *vide* Gazette No. 212.

2. Since the Port Railway Charges are not approved by this Authority, it is not appropriate to include such rates in the SOR notified by this Authority. On seeking the views of the PPT in the matter, the Port by letter dated 23rd March, 2009 has requested this Authority to de-notify CHAPTER-V containing Railway Charges from its SOR.

3. For the reasons detailed above, this Authority hereby deletes Chapter V—Railway Charges from the SOR of the PPT which was published in Part III, Section 4 of the Gazette of India dated 31st October, 2007 (Gazette No. 212). The deletion will be with retrospective effect from the date from which the revised Scale of Rates came into force.

ARVIND KUMAR, Member

[ADVT III/4/143/08-Exty.]